बुधवार
29 जुलाई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 186
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कागजों पर 'युद्धस्तर' और जमीन पर 'आफत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून का मौसम हर साल आता है। पहाड़ों पर बादल हर वर्ष बरसते हैं। नदियां उफान पर आती हैं। भूस्खलन होता है। सड़कें टूटती हैं। गांवों का संपर्क कटता है। लोग घंटों नहीं, कई बार दिनों तक फंसे रहते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि हर साल सरकारी बयान बदल जाते हैं, लेकिन तस्वीरें नहीं। इस बार भी वही हो रहा है। राज्य के कई जिलों में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। पहाड़ दरक रहे हैं, सड़कें मलबे में दबी हैं, नदी-नाले खतरे के निशान के करीब बह रहे हैं और प्रशासन युद्धस्तर पर राहत कार्यों का दावा कर रहा है। लेकिन सवाल राहत कार्यों का नहीं, बल्कि उस तैयारी का है, जो हर मानसून से पहले की जानी चाहिए थी।

◆हर साल मानसून में वही मातम, आखिर कब सीखेगा सिस्टम
◆बारिश ने फिर खोली तैयारियों की पोल, पहाड़ों पर जिंदगी ठप
◆आपदा के साथ अब राजनीतिक जवाबदेही भी है बड़ा सवाल

उत्तराखंड में मानसून कोई अप्रत्याशित घटना नहीं है। मौसम विभाग हर वर्ष पहले से चेतावनी देता है। संवेदनशील स्थानों की सूची भी तैयार रहती है। फिर भी हर बार वही मार्ग बंद होते हैं, वही पुल क्षतिग्रस्त होते हैं और वही गांव अलग-थलग पड़ जाते हैं। आखिर क्यों? राज्य में आपदा प्रबंधन पर हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाए जाते हैं। मशीनें खरीदी जाती हैं। राहत दलों को प्रशिक्षित किया जाता है। समीक्षा बैठकें होती हैं। लेकिन पहली तेज बारिश के बाद ही पूरा तंत्र दबाव में दिखाई देता है।

प्रश्न यह नहीं कि बारिश कितनी हुई। प्रश्न यह है कि जिन स्थानों को वर्षों से भूस्खलन संभावित क्षेत्र माना जाता है, वहां स्थायी समाधान क्यों नहीं हो पाया? जिन सड़कों पर हर मानसून में मलबा आता है, वहां वैज्ञानिक सुरक्षा उपाय कितने प्रभावी साबित हुए? यदि हर वर्ष एक जैसी समस्या सामने आती है, तो क्या उसे केवल प्राकृतिक आपदा कहकर टाला जा सकता है?

उत्तराखंड पिछले कुछ वर्षों में तेजी से आधारभूत ढांचा विकसित करने वाले राज्यों में शामिल रहा है। सड़कें चौड़ी हुईं, सुरंगें बनीं, चारधाम संपर्क परियोजनाओं ने नई रफ्तार पकड़ी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य बेहतर संपर्क और आर्थिक विकास है, लेकिन इसके साथ पर्यावरणीय संतुलन और भू-वैज्ञानिक सुरक्षा पर लगातार चर्चा होती रही है। विशेषज्ञ लंबे समय से कहते रहे हैं कि हिमालय युवा पर्वतमाला है। यहां निर्माण कार्यों में अतिरिक्त सावधानी, प्रभावी जल निकासी, ढलानों का वैज्ञानिक उपचार और नियमित निगरानी आवश्यक है। यदि इन पहलुओं की अनदेखी होती है, तो भारी वर्षा के दौरान जोखिम बढ़ सकता है। यह बहस विकास के विरोध की नहीं, बल्कि सुरक्षित और टिकाऊ विकास की है।

बारिश के दौरान सबसे अधिक परेशानी उस व्यक्ति को होती है जिसकी खबर शायद सबसे कम बनती है। दूरस्थ गांव की गर्भवती महिला, जिसे अस्पताल तक पहुंचने में घंटों लग जाते हैं। वह छात्र, जिसकी परीक्षा सड़क बंद होने से छूट जाती है। वह किसान, जिसकी खेत की मेड़ बारिश में बह जाती है। वह टैक्सी चालक, जिसकी पूरी कमाई पर्यटन पर निर्भर है। वह दुकानदार, जिसका सामान सड़क बंद होने के कारण समय पर नहीं पहुंच पाता। सरकारी आंकड़ों में ये केवल प्रभावित लोग होते हैं, लेकिन पहाड़ की जिंदगी में यही असली संकट है।

उत्तराखंड में वर्ष 2013 की विनाशकारी आपदा के बाद यह उम्मीद बनी थी कि राज्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक नई मिसाल बनेगा। कई सुधार भी हुए। एसडीआरएफ की क्षमता बढ़ी, संचार व्यवस्था बेहतर हुई, मौसम चेतावनी प्रणाली मजबूत हुई और राहत अभियानों में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ा। फिर भी हर मानसून यह महसूस होता है कि सबसे कठिन चुनौती आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने की नहीं, बल्कि आपदा के प्रभाव को पहले से कम करने की है। यदि किसी सड़क पर लगातार पांच वर्षों से भूस्खलन हो रहा है, तो उसे केवल मशीन भेजकर खोल देना समाधान नहीं कहा जा सकता। यदि किसी गांव का संपर्क हर बरसात में टूटता है, तो वहां स्थायी सुरक्षा व्यवस्था

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

डेयरी पर छापेमारी, 50 किलो नकली पनीर बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं अवैध खाद्य निर्माण इकाइयों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत श्यामपुर थाना पुलिस एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने कांगड़ी स्थित एक पनीर एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाई (गुर्जर डेयरी) पर छापेमारी की कार्रवाई की।

श्यामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक नितेश शर्मा द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई के दौरान निर्माण स्थल पर एक एल्यूमिनियम कंटेनर में बिक्री के लिए रखा लगभग 50 किलोग्राम पनीर बरामद किया गया। पूछताछ में डेयरी संचालक के भाई सराफत अली ने बताया कि पनीर निर्माण में दूध पाउडर एवं फॉस्फेट का प्रयोग किया गया है। मौके से मिल्क पाउडर के लगभग 50 खाली पैकेट भी बरामद हुए, जिन्हें टीम ने जब्त कर लिया।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा निर्मित पनीर एवं निर्माण में प्रयुक्त दूध के दो नमूने प्रयोगशाला जांच हेतु लेकर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजे गए हैं। नमूना लेने के उपरांत शेष लगभग 49 किलोग्राम पनीर को मौके पर जेसीबी मशीन से गड्ढा खुदवाकर दबाकर नष्ट कराया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि डेयरी संचालक द्वारा रिटेल व्यवसाय के लिए प्राप्त खाद्य लाइसेंस पर ही दुग्ध उत्पादों का निर्माण किया जा रहा था। निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के आधार पर पनीर निर्माण इकाई के संचालक इमादत अली एवं मौके पर उपस्थित उनके भाई सराफत अली को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन द्वारा नोटिस जारी किया गया। संयुक्त कार्रवाई में श्यामपुर थाना प्रभारी निरीक्षक नितेश शर्मा, एसआई रविंद्र गौड़, कांस्टेबल मनमोहन सैनी, सुशील, खाद्य सुरक्षा विभाग के उपायुक्त (गढ़वाल मंडल) राजेंद्र सिंह रावत, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन तथा पवन कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

व्यवस्था पर चोट जरूरी

देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा के पेपर लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा 13 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया जाना केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस भरोसे को वापस पाने की दिशा में पहला कदम है, जिसे लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों ने पिछले वर्ष खो दिया था। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या केवल चार्जशीट और गिरफ्तारियां उस गहरे संकट का समाधान हैं, जिसने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है? भारत में हर वर्ष लाखों विद्यार्थी डाक्टर बनने का सपना लेकर वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। कई परिवार अपनी जमा-पूंजी कोचिंग संस्थानों और पढ़ाई पर खर्च कर देते हैं। ऐसे में जब परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र बाजार में बिकने की खबरें सामने आती हैं, तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की नैतिकता कटघरे में खड़ी हो जाती है। सीबीआई की जांच ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि पेपर लीक कोई आकस्मिक घटना नहीं थी। यह एक सुनियोजित नेटवर्क का परिणाम था, जिसमें कथित तौर पर कई स्तरों पर मिलीभगत, आर्थिक लालच और संगठित अपराध की भूमिका सामने आई। चार्जशीट दाखिल होने का अर्थ है कि जांच एजेंसी को पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं, लेकिन न्याय की वास्तविक परीक्षा अब अदालत में होगी। यदि मुकदमा वर्षों तक चलता रहा और दोषियों को समय पर सजा नहीं मिली, तो यह कार्रवाई भी जनता की नजर में अधूरी रह जाएगी। दरअसल पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों और केंद्र स्तर की अनेक भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में भर्ती परीक्षाओं पर सवाल उठे हैं। इससे युवाओं के बीच यह धारणा मजबूत हुई है कि मेहनत से अधिक महत्व सिस्टम और संपर्क का हो गया है। यह लोकतंत्र और समान अवसर की भावना के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान आर्थिक नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक होता है। जो विद्यार्थी वर्षों तक ईमानदारी से तैयारी करते हैं, उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। कई छात्र निराश होकर प्रतियोगी परीक्षाओं से दूरी बना लेते हैं, जबकि कुछ अवसाद का शिकार हो जाते हैं। यह स्थिति किसी भी राष्ट्र के मानव संसाधन के लिए शुभ नहीं कही जा सकती। सरकार ने हाल के वर्षों में परीक्षा सुरक्षा को लेकर कई कदम उठाए हैं। पेपर लीक रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए, जांच एजेंसियों को सक्रिय किया गया और डिजिटल निगरानी बढ़ाने की बात कही गई। लेकिन यदि इसके बावजूद प्रश्नपत्र लीक हो जाते हैं, तो यह संकेत है कि केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं। आवश्यकता है कि परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण प्रश्नपत्र निर्माण, प्रिंटिंग, परिवहन, सुरक्षित भंडारण और परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की स्वतंत्र और तकनीकी निगरानी सुनिश्चित की जाए। अब समय आ गया है कि परीक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जाए। एन्क्रिप्टेड डिजिटल पेपर ट्रांसमिशन, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण, रियल-टाइम मानिटरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और परीक्षा केंद्रों का वैज्ञानिक आडिट जैसी व्यवस्थाएं केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी हैं। साथ ही, जिन अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही से ऐसी घटनाएं होती हैं, उनकी व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि पेपर लीक का पूरा कारोबार करोड़ों रुपये के अवैध नेटवर्क से संचालित होता है। इसलिए केवल परीक्षार्थियों या बिचौलियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं होगी। इस आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करना, अवैध संपत्तियों को जब्त करना और वित्तीय जांच को भी उतनी ही प्राथमिकता देना आवश्यक है। चार्जशीट दाखिल होने से यह संदेश अवश्य गया है कि जांच आगे बढ़ रही है, लेकिन जनता अब केवल कार्रवाई नहीं, परिणाम देखना चाहती है। दोषियों को शीघ्र और कठोर सजा मिले, मुकदमे समयबद्ध हों और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो यही इस पूरे प्रकरण की वास्तविक सफलता होगी। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। यदि यही युवा अपनी मेहनत के बावजूद व्यवस्था पर भरोसा खोने लगें, तो यह केवल शिक्षा का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट होगा। इसलिए पेपर लीक मामले को केवल एक आपराधिक घटना मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। इसे शिक्षा सुधार के निर्णायक अवसर के रूप में देखना होगा। सीबीआई की चार्जशीट एक महत्वपूर्ण शुरुआत है, लेकिन मंजिल तब मिलेगी जब हर विद्यार्थी यह विश्वास कर सके कि उसकी सफलता केवल उसकी मेहनत से तय होगी, किसी पेपर माफिया या भ्रष्ट नेटवर्क से नहीं। यही किसी भी लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी कसौटी है।

पीएमजीएसवाई के इंजीनियर से मारपीट में प्रधान सहित चार नामजद

संवाददाता

देहरादून। पीएमजीएसवाई के इंजीनियर से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएमजीएसवाई के इंजीनियर नितिन चौहान ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मालदेवता में कार्य कर रहा था तभी वहां पर ग्राम प्रधान श्याम सिंह पयाल अपने कुछ साथियों सुरेश जबाडी व अन्य के साथ वहां पर पहुंचे और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी तथा उसको खाई में फैंकने का प्रयास किया। लेकिन वहां पर मौजूद अन्य लोगों ने उसको उनके चुंगल से छुडाया जिसके बाद उक्त लोग उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

'आधी आबादी' पर भाजपा का 'फोकस'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 की आहट तेज होने के साथ ही भाजपा ने महिला मतदाताओं तक अपनी पहुंच मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित किए जा रहे लखपति दीदी सम्मेलन को केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के साथ राजनीतिक संवाद का बड़ा मंच माना जा रहा है। पार्टी की कोशिश है कि स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिलाओं के बीच अपनी पकड़ को और मजबूत किया जाए तथा इसका लाभ विधानसभा स्तर तक संगठन को मिले। उत्तराखंड में महिला मतदाता कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाती रही हैं। पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानी जिलों तक महिलाओं की मतदान में सक्रिय भागीदारी लगातार बढ़ी है। ऐसे में भाजपा महिला मोर्चा के सम्मेलन को महिला वोट बैंक के साथ सीधे संवाद और संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार सम्मेलन में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उद्यमिता से जुड़े लाभार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय महिला नेतृत्व को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक महिला कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को मजबूत करना भी है। भाजपा लंबे समय से बूथ प्रबंधन को अपनी चुनावी ताकत मानती रही है। अब महिला मोर्चा के माध्यम से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय महिला नेटवर्क तैयार करने की कवायद तेज हो गई है। पार्टी का मानना है कि यदि स्वयं सहायता समूहों और महिला स्वयंसेवकों के माध्यम से गांव-गांव तक संवाद स्थापित होता है तो चुनावी अभियान को भी मजबूती मिलेगी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि लखपति दीदी जैसे कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की चर्चा के साथ राजनीतिक सहभागिता का भी अवसर बनते हैं। इससे पार्टी को उन वर्गों तक पहुंचने का मौका मिलता है, जो पारंपरिक राजनीतिक गतिविधियों में अपेक्षाकृत कम सक्रिय रहते हैं।

◆लखपति दीदी सम्मेलन से महिला वोट बैंक पर भाजपा की नजर
◆भाजपा ने की उत्तराखंड की 70 विधानसभाओं में मोर्चाबंदी तेज
◆स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से बढ़ाया राजनीतिक संवाद

उत्तराखंड के चुनावी परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों के निर्णयों पर महिलाओं का प्रभाव बढ़ा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, स्वयं सहायता समूह, गैस, पेयजल, सड़क और स्वरोजगार जैसे मुद्दे महिला मतदाताओं के लिए प्रमुख रहते हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल इन मुद्दों को अपने अभियान का हिस्सा बना रहे हैं। भाजपा की कोशिश है कि महिला मोर्चा के कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लाभार्थियों तक पहुंचाई जाए और स्थानीय स्तर पर संवाद का दायरा बढ़ाया जाए। राजनीतिक दृष्टि से यह भी महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस सहित अन्य दल भी महिला मतदाताओं के बीच अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं। ऐसे में महिला मतदाताओं को लेकर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और तेज होने की संभावना है। आने वाले महीनों में विभिन्न दलों की महिला इकाइयों के कार्यक्रमों में भी तेजी देखी जा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि उत्तराखंड के चुनाव केवल बड़े नेताओं की सभाओं से नहीं, बल्कि गांवों, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय सामाजिक नेटवर्क तक पहुंच से भी प्रभावित होंगे। इसलिए महिला सम्मेलन जैसे कार्यक्रम राजनीतिक दृष्टि से अहम माने जा रहे हैं।

भले ही विधानसभा चुनाव में अभी समय हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीति पर काम तेज कर दिया है। भाजपा महिला मोर्चा का लखपति दीदी सम्मेलन इसी व्यापक तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है। संगठन विस्तार, महिला नेतृत्व को सक्रिय करना और लाभार्थी वर्ग से संवाद बढ़ानाकृइन तीनों बिंदुओं पर पार्टी विशेष ध्यान देती दिखाई दे रही है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि महिला सम्मेलन जैसे कार्यक्रम चुनावी राजनीति में कितना प्रभाव छोड़ते हैं और क्या इनका असर मतदान व्यवहार तक पहुंच पाता है। फिलहाल इतना तय है कि उत्तराखंड की 70 विधानसभा सीटों पर राजनीतिक गतिविधियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और महिला मतदाता एक बार फिर सभी दलों की रणनीति के केंद्र में हैं।

धीरेंद्र प्रताप जयराम आश्रम में आयोजित भंडारे में हुए शामिल

संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री धीरेंद्र प्रताप आज हरिद्वार पहुंचे और जय राम आश्रम में संतो के लिए आयोजित भंडारे में शामिल हुए। जयराम आश्रम के अधिष्ठाता ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज के सानिध्य में शामिल हुए। इस भंडारे में धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि सावन का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है और इस दौरान की गई पूजा अर्चना से भक्त जनों में नई चेतना का संचार होता है।

इस मौके पर ब्रह्म स्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने अपने आशीर्वचनों में सावन की विशेषता का उल्लेख करते हुए लोगों से शिव भक्ति में पूरी आस्था से लगने का आह्वान किया और कहा भोले बाबा का जिसको आशीर्वाद मिल जाता है उसका जीवन धन्य हो जाता है।

दो अगस्त को कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा का दूसरा चरण आयोजन

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस की परिवर्तन संकल्प यात्रा के दूसरे चरण का आयोजन दो अगस्त को होगा।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेशभर में आयोजित की जा रही परिवर्तन संकल्प यात्रा के दूसरे चरण में प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के संयोजकत्व में 2 अगस्त 2026 से देहरादून जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन सुनिश्चित किया गया हैं। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने बताया कि प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह के संयोजकत्व में परिवर्तन संकल्प यात्रा के दूसरे चरण में 2 अगस्त 2026 को जिला कांग्रेस कमेटी पछुवादून द्वारा आयोजित परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत प्रातः 11 बजे से विकासनगर विधानसभा क्षेत्र में तथा सायं तीन बजे से सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, सीडब्लूसी सदस्य करन माहरा, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत एवं उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापडी करेंगे। 3 अगस्त 2026 को महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रातः 11 बजे से देहरादून की कैंट विधानसभा क्षेत्र तथा तीन बजे धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, सीडब्लूसी सदस्य करन माहरा एवं चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत करेंगे। 4 अगस्त 2026 को महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रातः 11 बजे से राजपुर विधानसभा क्षेत्र एवं सायं तीन बजे से जिला कांग्रेस कमेटी पछुवादून एवं महानगर कांग्रेस कमेटी देहरादून द्वारा मसूरी विधानसभा क्षेत्र में परितर्वन संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया है। परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, सीडब्लूसी सदस्य करन माहरा एवं चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत करेंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट के आकस्मिक निधन के चलते 5 अगस्त 2026 को रायपुर एवं डोईवाला विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित परिवर्तन संकल्प यात्रा कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम की अगली तिथि शीघ्र ही निश्चित की जायेगी।

डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन फ्रॉड से रहें सावधान, अल्मोड़ा पुलिस ने किया जागरूक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के अभियान के तहत एडम्स गर्ल्स इंटर कॉलेज में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं और विद्यालय स्टाफ को डिजिटल अरेस्ट सहित ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर. घोड़के के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में प्रभारी साइबर सेल के नेतृत्व में अपर उपनिरीक्षक मुदित वर्मा, कांस्टेबल सौरभ ग्वासाकोटी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्राओं को डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, ओटीपी और बैंकिंग जानकारी साझा करने के खतरे, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, संदिग्ध लिंक, फर्जी लोन ऐप, ऑनलाइन इनाम, निवेश और पार्ट-टाइम नौकरी के नाम पर होने वाली साइबर ठगी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत, बैंकिंग या ओटीपी संबंधी जानकारी साझा नहीं करने और किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश या लिंक की सत्यता जांचने के बाद ही उस पर कार्रवाई करने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

जिला बदर आदेश तोड़ने पर हिस्ट्रीशीटर अजीम अंसारी गिरफ्तार

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिला बदर किए जाने के बावजूद बिना अनुमति अल्मोड़ा की सीमा में प्रवेश करने पर कोतवाली पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर अजीम अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर. घोड़के के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट ने अजीम अंसारी पुत्र शफीक अंसारी निवासी मल्ला दनिया, राजपुरा, कोतवाली अल्मोड़ा के आपराधिक इतिहास और लगातार संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए गुंडा नियंत्रण अधिनियम की धारा 2/3 के तहत छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए थे। पुलिस ने 17 जुलाई को आदेशों का पालन कराते हुए मोहल्ले में मुनादी कराई और आरोपी को जनपद अल्मोड़ा की सीमा से बाहर क्रारब होते हुए नैनीताल जनपद की सीमा तक छोड़ दिया था। साथ ही उसे स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि छह माह तक बिना सक्षम अनुमति के अल्मोड़ा जिले में प्रवेश नहीं करेगा। इसके बावजूद रविवार को आरोपी बिना अनुमति अल्मोड़ा में प्रवेश कर गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

पत्रकार हितों के मुद्दों पर जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में पत्रकारों की जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पत्रकार हितों, पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा समस्याओं पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सदस्यों के सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में समिति के सदस्यों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए विभागवार पत्रकार सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया। इस पर जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी को सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर विभागवार पत्रकार सम्मेलनों की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान पत्रकार उत्पीड़न से जुड़े मामलों पर भी चर्चा हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर. घोड़के ने आश्वस्त किया कि पत्रकारों से संबंधित मामलों में त्वरित, निष्पक्ष और विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान प्रशासन एवं पुलिस की प्राथमिकता है। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि प्रशासन और जनता के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकार जहां जमीनी हकीकत से प्रशासन को अवगत कराते हैं, वहीं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का भी अहम माध्यम हैं। उन्होंने जनहित के कार्यों में मीडिया के सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई। बैठक में स्थायी समिति के सदस्य प्रकाश पांडे, राजेंद्र सिंह रावत, सुरेश चंद्र तिवारी, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र तथा जिला सूचना अधिकारी सत्यपाल सिंह उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर विभिन्न संगठनों ने खोला मोर्चा

नई टिहरी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू नहीं होने पर व्यापार मंडल, नागरिक मंच, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच, रामलीला समिति, भू-भूमियाल जागृति मंच, भारत स्वाभिमान सहित राजनीतिक, सामाजिक संगठनों ने रोष जताया।

उन्होंने जिला मुख्यालय के बजाए मेडिकल कॉलेज के लिए गजा तहसील के फिफल्टी में भूमि चयन की चर्चा पर कड़ी नाराजगी जताई। सुमन पार्क में आयोजित विभिन्न संगठनों की बैठक में नागरिक मंच के संयोजक सीपी डबराल, अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल, भाजपा नेता जीतराम भट्ट ने कहा कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण जिला मुख्यालय में होना चाहिए। पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, महिपाल नेगी, देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि सरकार को जल्द ही मेडिकल कॉलेज निर्माण का शासनादेश जारी करना चाहिए। कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गंगा भगत नेगी ने कहा सरकार की हठधर्मिता के कारण लंबे समय से मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। व्यापार मंडल नई टिहरी के अध्यक्ष भगवान सिंह रावत, बौराड़ी अध्यक्ष शिवराज सजवाण ने कहा कि विस्थापित नई टिहरी में व्यापार पूरी तरह ठप है। इस दौरान जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर संघर्ष समिति का गठन किया गया। डॉ. राकेश भूषण गोदियाल को संघर्ष समिति का संयोजक की जिम्मेदारी दी।

बैठक में जगजीत नेगी, भगवान चंद रमोला, नवीन सेमवाल, अजय कुमार, जयेंद्र रावत मौजूद रहे। दूसरी ओर, जिला मुख्यालय के समीप इणिया में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को अन्यत्र बनाए पर सारज्यूला पट्टी के जनप्रतिनिधि रोष जताया। ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व प्रस्तावित स्थान इणिया में मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए शासनादेश जारी करने की मांग की। मेडिकल कॉलेज को अन्यत्र बनाने जाने पर उग्र आंदोलन शुरू करने की आंदोलन की चेतावनी दी। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत, बुडोगी के ग्राम प्रधान भूपेंद्र चौहान,प प्रदीप, पिंकी, कुसुम कठैत, कविता नेगी, लक्ष्मी भट्ट आदि मौजूद रहे।

लक्षमोली में उद्योग विभाग की भूमि पर समतलीकरण शुरु

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। कीर्तिनगर ब्लॉक के लक्षमोली गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर विभाग की करीब 45 नाली भूमि है। सड़क के ऊपरी भाग वाली भूमि पर समतलीकरण कार्य शुरू हो गया है। इससे स्थानीय लोगों में यहां उद्योग स्थापित होने की उम्मीद जगी है।

प्रधान सुरेश सिंह नेगी ने बताया कि उद्योग विभाग ने वर्ष 1988 और 1992 में उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से ग्रामीणों से यह भूमि खरीदी थी। समय विभाग ने स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और क्षेत्र के विकास का भरोसा दिलाया था। वर्षों तक भूमि पर कोई गतिविधि नहीं होने से ग्रामीण निराश थे लेकिन अब समतलीकरण कार्य शुरू होने से विकास की उम्मीद जगी है।

वहीं जिला उद्योग केंद्र नरेंद्र नगर टिहरी के महाप्रबंधक कीर्तिका कुलश्री का कहना है कि विभाग की यह भूमि दो भागों में बंटी है। अभी एक हिस्से का समतलीकरण और सेफ्टीवॉल का कार्य किया जा रहा है। समतलीकरण के बाद लेआउट (नक्शा) बनाकर राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण सीडा से पास करवाएंगे। फिर व्यवसायिक उपयोग के लिए प्लाटिंग कर स्थानीय लोगों को वरियता दी जाएगी।

शिकायतों का प्राथमिकता से करें समाधान: डीएम

चमोली(आरएनएस)। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध और प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल केवल औपचारिक कार्रवाई दर्ज करने का माध्यम न बने बल्कि प्रत्येक शिकायत का वास्तविक निस्तारण किया जाए।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों की एक-एक कर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित मामलों का समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में वाहन चालकों की ओर से अधिक किराया वसूले जाने, नामांतरण, सड़क का नाम बदलने समेत विभिन्न शिकायतों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि केवल शिकायतों ही नहीं, बल्कि मांग और सुझाव से जुड़े मामलों पर भी सकारात्मक कार्रवाई की जाए। इस मौके पर सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एडीएम विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, एसडीएम राजकुमार पांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पति की मृत्यु के आठ साल बाद भी नहीं मिला योजनाओं का लाभ

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पति की मौत के आठ साल बाद भी महिला सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर है। ब्लॉक के कंडियाल गांव निवासी अगिंता देवी ने उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला को ज्ञापन सौंपकर राशन कार्ड बनवाने और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। अगिंता देवी ने बताया कि उनके पति हरदेव सिंह का आठ वर्ष पहले निधन हो गया था। उनके दो छोटे बच्चे हैं और परिवार में वृद्ध सास-ससुर भी हैं। पति की मृत्यु के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उन पर आ गई लेकिन आज तक उनका राशन कार्ड नहीं बन पाया। उन्होंने बताया कि परिवार जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर है। बरसात के दौरान मकान गिरने का खतरा बना रहता है। इससे हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। अगिंता देवी ने आरोप लगाया कि गांव में आर्थिक रूप से सक्षम कई लोगों के बीपीएल राशन कार्ड बने हैं और वे विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं। वास्तविक पात्र होने के बावजूद उनका नाम अब तक शामिल नहीं किया गया।

ऐंपण और भद्र प्रतियोगिता आयोजित, लोककला के संरक्षण का दिया संदेश

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तराखंड की लोक-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से ग्रीन हिल्स ट्रस्ट एवं अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल के चौथे संस्करण के तहत नगर निगम सभागार में ऐंपण एवं भद्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने पारंपरिक लोककला का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों की सराहना बटोरी। मुख्य प्रतियोगिता से पहले 20 से 25 जुलाई तक वरिष्ठ ऐंपण कलाकार मीरा जोशी के मार्गदर्शन में छह दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 40 से अधिक प्रतिभागियों ने ऐंपण कला की बारीकियां सीखीं। रविवार को आयोजित प्रतियोगिता में मीरा जोशी और बागेश्वर के वरिष्ठ लोक कलाकार पंकज साह मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। उन्होंने ऐंपण को उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण प्रतीक बताते हुए इसके संरक्षण और नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई। पहली श्रेणी में कार्यशाला के प्रशिक्षु प्रतिभागियों तथा दूसरी श्रेणी में पहले से इस कला में पारंगत प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की पारंपरिक शैली, रचनात्मकता, कलात्मक प्रस्तुति और तकनीकी दक्षता के आधार पर विजेताओं का चयन किया। ग्रीन हिल्स ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. वसुधा पंत ने कहा कि उत्तराखंड की लोककलाओं का संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों, निर्णायकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यशाला प्रशिक्षु श्रेणी में हेमलता वर्मा ने प्रथम, हीरा कनवाल ने द्वितीय, ज्योति त्रिवेदी ने तृतीय, योगिता जोशी ने चतुर्थ तथा दीपा गोस्वामी ने पंचम स्थान प्राप्त किया। पूर्व से पारंगत प्रतिभागियों की श्रेणी में कंचन जाटव प्रथम, हर्षित तिवारी द्वितीय, कमला लाटवाल तृतीय, प्रियांशी गिनवाल चतुर्थ और चाँदनी लटवाल पंचम स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में डॉ. जे सी दुर्गापाल, डी.एस. बिष्ट, यामिनी कांडपाल, भूषण पांडे, दीपक जोशी, मीता उपाध्याय, तनुजा, रजनी पंत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वसुधा पंत ने किया।

बच्चों को लालच देकर काम न करायें

आमतौर पर अभिभावकों की आदत होती है कि वे अपने बच्चे को लालच देकर काम कराते हैं। अभिभावक कहते हैं कि अगर तुम समय पर अपना होमवर्क खत्म कर लोगे या फिर अपनी हॉबी क्लास में अच्छे से सीखोगे, तो तुम्हें चॉकलेट दिलाएंगे या फिर तुम्हारा पसंदीदा खिलौना खरीद देंगे। यह कभी-कभार के लिए तो यह ठीक है, लेकिन जब यह रोज की आदत बन जाए, तो ऐसे में बच्चे के लिए अपने काम को सही तरीके से कर पाना कठिन हो जाता है। ऐसे में काम की बजाय उसका पूरा ध्यान काम खत्म होने पर मिलने वाली चीजों में ही लगा रह जाता है, जिसकी वजह से वो अपना काम निपटाने वाले अंदाज में करता है। बच्चे में पनपती यह आदत धीरे-धीरे उसकी रचनात्मकता को भी समाप्त कर देती हैं। अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के फेर में बहुत सारी चीजें करने के लिए उस पर दबाव ना बनाएं। आपका बच्चा सारी चीजों में सही हो जाए, इसकी अपेक्षा ना करें।

यह जरूरी नहीं है कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा है, अच्छी ड्रॉईंग करता है, खेलों में अच्छा है, तो वो अच्छा गाना भी गाएगा और डांस भी कर लेगा। अपने बच्चे को उतना ही करने दें, जितना वो सहजता से कर पाए। बहुत सारे के प्रयास में वो कोई भी काम ठीक से नहीं कर पाएगा। छोटे से बच्चे पर अपनी पसंद ना थोपें। उसे वो काम करने दें, जो करना उसे पसंद है। अगर वो डांस क्लास या वॉलीबॉल की क्लास में नहीं जाना चाहता है, तो उसके दोस्त ऐसा कर रहे हैं, यह सोचकर आप उसे भी ऐसा करने के लिए मजबूर ना करें। अगर उसका मन घर में बैठकर कलरिंग करने का है या फिर वह टीवी पर थोड़ी देर के लिए अपना पसंदीदा कार्टून देखना चाहता है, तो इसके लिए आप उसे मना ना करें। अगर आपके पास समय है, तो उसके साथ बैठकर वो काम करें, जिसमें उसे मजा आ रहा हो। उसे बातों-बातों में जिंदगी के बारे में अच्छी बातें बताएं। बच्चे में किसी भी काम को रचनात्मक तरीके से करने की भावना तभी आएगी, जब उसके अंदर हार का डर नहीं होगा। अभिभावक के तौर पर यह आपका दायित्व है कि अपने बच्चे के अंदर सफलता और असफलता को लेकर सही सोच विकसित करें। अपने बच्चे के अंदर असफलता से भी सीखने का भाव भरें। अपने बच्चे को पूरा समय दें। भले ही आप कितनी भी व्यस्त क्यों ना हों, दिन का कुछ समय सिर्फ अपने बच्चे के लिए रखें। इस समय में आप उसके मन में उठने वाली जिज्ञासाओं को शांत करें। उसके छोटे-छोटे सवालों का धैर्यपूर्वक जवाब दें। उसे अच्छी कहानियां सुनाएं, इससे आपके बच्चे की रचनात्मकता बढेघ्गी। अपने बच्चे से इस बात की उम्मीद न करें कि वो किसी भी काम को एक ही समय में पूरा कर लेगा। उसे काम पूरा करने के लिए वक्त दें। अपने बच्चे के किसी काम की अवहेलना न करें। तुमने तो सारा खराब कर दिया जैसी बातें भूलकर भी ना करें। अगर कोई चीज खराब हो गई है, तो उससे कहें कि कोई बात नहीं, अगली बार ध्यान रखना।

आपके तकिये का कवर भी आपको कर सकता है बीमारी

जब कोई व्यक्ति एकदम रिलैक्स और शांति के साथ आराम करना चाहता है तो उसके बिस्तर और तकिया से बेहतर कुछ भी नहीं हो सकता है। ये दोनों जितना आरामदायक होंगे इंसान को उतनी अच्छी नींद आएगी। लेकिन अगर आपको पता चले कि आपका तकिया आपकी बीमारी का कारण बन सकता है तो इस पर आप क्या रिएक्शन देंगे। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक तकिया आपकी इम्युनिटी, मेंटल हेल्थ से लेकर पूरी लाइफस्टाइल तक को प्रभावित कर सकती है। हालांकि यह तकिया आपको सीधे तौर पर बीमार नहीं कर सकता है, लेकिन यह शारीरिक परेशानी और कई तरह की समस्याओं को बढ़ा जरूर सकता है। जैसा कि आपको पता है अधिकांश लोग करवट लेकर सोना पसंद करते हैं, और इसके लिए वह गद्दे के बीच के अंतर को भरने और सिर को सहारा देने के लिए उचित ऊंचाई के तकिये का इस्तेमाल करते हैं। सही तकिये का उपयोग न करने पर सिर को सहारा नहीं मिल सकता है या नीचे की ओर झुक सकता है, जिससे संभावित रूप से गर्दन में दर्द, चक्कर आना और यहां तक कि ऊपरी अंगों में दर्द और सुन्नता हो सकती है। भले ही आप अपनी पीठ के बल सोते हों।

सर्वाइकल स्पाइन की नैचुरल आकार को बनाए रखने के लिए तकिये का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। हालांकि, अतिरिक्त मोटे तकिए का उपयोग करने से असुविधा, गर्दन में दर्द और यहां तक कि ऊपरी अंगों में सुन्नता और कमजोरी हो सकती है। ये प्रभाव मुख्य रूप से सर्वाइकल स्पाइन की असामान्य स्थिति के कारण होते हैं। जो आपके शरीर के आराम में प्रॉब्लम कर सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो खराब फिटिंग वाले तकिए से गर्दन और रीढ़ की हड्डी को सहारा मिलने के अलावा, इसमें धूल के कण, एलर्जी या यहां तक कि फफूंद भी जमा हो सकता है जो एलर्जी, अस्थमा या श्वसन संबंधी समस्याओं को ट्रिगर कर सकता है, जिससे बार-बार बीमारी हो सकती है। सोने की स्थिति के अनुरूप सही तकिया चुनना रात की अच्छी नींद के लिए और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे चक्कर आना और गिरने और संबंधित चोटों के जोखिम को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसा तकिया चुनें जो आपके शरीर की प्राकृतिक आकृति के अनुरूप गर्दन और रीढ़ को उचित सहारा दे। मेमोरी फोम, लेटेक्स और फेदर तकिए लोकप्रिय विकल्प हैं जो विभिन्न प्राथमिकताओं को पूरा करते हैं।

खरीदने से पहले तकिए को ठीक से चेक करें कि वह कितना ज्यादा आराम है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से बचने के लिए तकिये के खोल को हर 1-2 सप्ताह में धोएं और तकिए को हर 3-6 महीने में, उपयोग के आधार पर धोएं।

आईब्रो की सही देखभाल ऐसे करें

अगर आप चाहती हैं कि आपकी आईब्रो घनी और खूबसूरत दिखें तो एक अच्छा आईब्रो ब्रश जरूर खरीदें। आईब्रो पेंसिल का इस्तेमाल किए बिना भी आपकी भौंहें घनी दिखेंगी।

अपनी भौंह की ग्रोथ को ध्यान में रखते हुए नियमित अंतराल पर थ्रेडिंग करवाएं। नियमित थ्रेडिंग की मदद से आपकी खूबसूरती कई गुना निखर जाएगी।

कई लोगों की भौंहों में बालों की ग्रोथ ठीक नहीं होती। भौंह में कोई-कोई जगह खाली नजर आती है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से आईब्रो पेंसिल या फिर जेल का इस्तेमाल करें। चेहरे को आकर्षक रूप देने के लिए अपनी आईब्रो में थोड़ा-सा 'आर्च' बीच से उठा हुआ लुक देने से न घबराएं। आईब्रो के दोनों किनारों को घना रखें।

खूबसूरत आंखें हर कोई महिला चाहती है क्योंकि बड़ी, चमकीली और कटीली आंखों को सुंदरता की निशानी माना जाता है। ऐसी आंखें जिनसे नजरें हटती ही नहीं हैं सबके आकर्षण का केन्द्र होती हैं पर जरूरी नहीं कि प्राकृतिक रूप से हर किसी की आंखें इतनी ही खूबसूरत हों। अगर आप भी अपनी आंखों की खूबसूरती को निखारना चाहती हैं तो आपको आई मेकअप से जुड़ी मुख्य बातों को सीखना होगा। यह सच है कि शुरुआत में कुछ कमियां रह जाएंगी, पर लगातार कोशिश करने से आप भी मेकअप के जरिये अपनी आंखों की खूबसूरती को एकदम से निखार पाएंगी।

आई मेकअप करने के कुछ घंटे बाद ही अगर पूरा मेकअप फैलने लगे तो चेहरे की रौनक खराब होने में समय नहीं लगता है। ऐसे में आई प्राइमर की भूमिका अहम हो जाती है। चेहरे के प्राइमर की तरह ही आंखों का प्राइमर वहां की त्वचा के टेक्सचर को बेहतर बनाकर आई मेकअप को लंबे समय तक टिकने में मदद करता है। साथ ही आई प्राइमर, आई शैडो को भी खराब होने और उस पर क्रैक पड़ने से बचाता है। आई प्राइमर को आप आई शैडो लगाने से पहले अपनी उंगलियों या फिर मेकअप ब्रश की मदद से लगा सकती हैं।

जब भी आई कंसीलर की बात आती है तो सही चुनाव करना कठिन हो जाता है। एक गलत धारणा यह है कि अगर आंखों के नीचे काले घेरे या दाग-धब्बे न हों तो कंसीलर की जरूरत ही नहीं पड़ती पर, सच्चाई यह है नहीं। प्रभावी आई मेकअप के लिए हमेशा कम मात्रा में ही सही, कंसीलर का इस्तेमाल जरूर करें।

आई शैडो से आंखों की खूबसूरती सही तरीके से तभी निखरती है, जब आप उसे मेकअप करते वक्त अच्छी तरह से मिलाती हैं। आई मेकअप करते वक्त आई शैडो को सही तरीके से मिलाने पर पूरा ध्यान दें। आई शैडो में आप कितने रंगों का चुनाव कर रही हैं, यह मायने नहीं रखता है। मुख्य बात यह है कि आप आई शैडो को अच्छी तरह से मिलाएं।

आजकल बाजार कई तरह के आईलाइनर से भरा पड़ा है। इनमें सबसे ज्यादा चलन में लिक्विड ब्लैक आईलाइनर है। आईलाइनर खरीदते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि वह वॉटरप्रूफहो। बाजार में पेंसिल आईलाइनर भी उपलब्ध है, जिसका इस्तेमाल आप आई शैडो की तरह भी कर सकती हैं। इसे लगाना लिक्विड आईलाइनर की तुलना में आसान होता है। प्रभावी इस्तेमाल के लिए अपने पेंसिल आईलाइनर को नियमित अंतराल पर नुकीला भी करें। कम वक्त में खूबसूरत आईलाइनर लगाने के लिए पेन आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

काजल के बिना आई मेकअप पूरा नहीं होता है। आंखों की खूबसूरती निखारने में काजल की भूमिका अहम होती है। जरा-सा काजल लगाते ही आंखों की पूरी थकावट गायब हो जाती है। बाजार में ब्लू, ग्रे, ग्रीन, ब्लैक जैसे कई रंगों में काजल उपलब्ध हैं।

काली व भूरी आंखों पर हरे रंग का काजल भी लगाया जा सकता है। हरे व हेजल रंगों की आंखों पर बैंगनी, हल्का भूरा, नीला व हरा रंग फबता है। अगर आपकी आंखों का रंग नीला है तो उस पर नीला काजल लगाने से बचें। काला, ग्रे या बैंगनी रंग का काजल आपकी आंखों की खूबसूरती को निखारेगा।

प्रभावी आई मेकअप के लिए पलकों की सही देखभाल भी जरूरी है। मस्कारा लगाने के बाद अपनी पलकों को कर्ल करना न भूलें। इससे आपकी पलकों को आकर्षक अंदाज मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -004

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

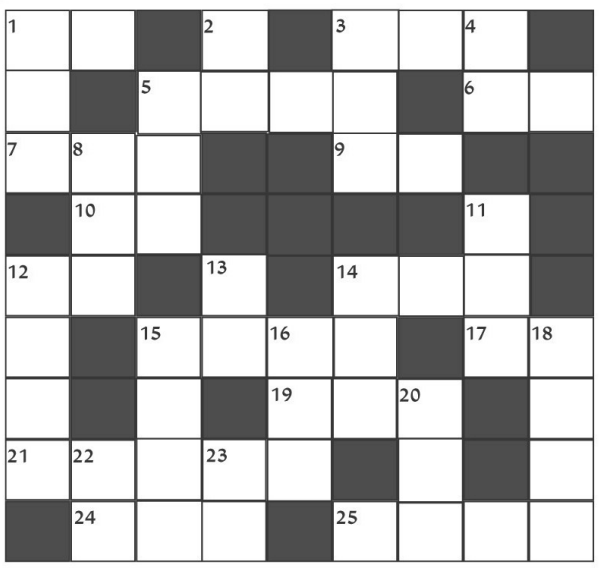

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 03 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

पीने का पानी सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये तरीके

पीने का पानी सेहत के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन अगर यह गंदा हो जाए तो इससे कई बीमारियां हो सकती हैं। गंदे पानी के कारण दस्त, पीलिया, पोलियो और हैजा जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पीने का पानी साफ और सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने घर में पीने का पानी साफ और सुरक्षित रख सकते हैं।

पानी को उबालें

पानी को उबालना एक आसान और असरदार तरीका है, जिससे आप उसे कीटाणुओं और जीवाणुओं से मुक्त कर सकते हैं। पानी को उबालने से पहले उसे एक पैन या बर्तन में डालें और उसे कम से कम 5-10 मिनट तक उबालें। इसके बाद इसे ठंडा करके किसी साफ बोतल या बर्तन में भर लें और ठंडे स्थान पर रख दें। इस तरह से पानी पीने के लिए सुरक्षित हो जाएगा।

क्लोरीन की गोलियों का करें इस्तेमाल

क्लोरीन की गोलियां भी पानी को साफ करने का एक अच्छा तरीका है। ये गोलियां पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणु और वायरस को मार देती हैं। इन्हें इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले एक लीटर पानी में एक क्लोरीन की गोली डालें और उसे अच्छे से हिलाएं। 30 मिनट बाद यह पानी पीने के लिए तैयार हो जाएगा। ध्यान रखें कि इस पानी को सीधे धूप में न रखें क्योंकि इससे क्लोरीन की ताकत कम हो सकती है।

जल शुद्धिकरण मशीन का करें उपयोग

जल शुद्धिकरण मशीन नई तकनीक पर आधारित होती है, जो पानी को छानकर उसे साफ करती है। यह मशीन पानी की गंदगी को हटाकर उसे पीने योग्य बनाती है। इस मशीन का उपयोग करने से न केवल पानी साफ होता है बल्कि इसका स्वाद भी बेहतर हो जाता है। इसे घर में लगाने से आप हर समय साफ और सुरक्षित पानी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

प्राकृतिक तरीके अपनाएं

प्राकृतिक तरीके जैसे कि सूरज की किरणों का उपयोग करके भी पानी को साफ किया जा सकता है। इसके लिए पानी को साफ कांच या प्लास्टिक बोतल में भरकर उसे सूरज की रोशनी में रख दें। लगभग 6 घंटे बाद यह पानी पीने योग्य हो जाएगा। इन तरीकों का पालन करके आप अपने घर में पीने के लिए साफ और सुरक्षित पानी उपलब्ध करा सकते हैं।

हर किसी की बात मानकर हां कहने की आदत बदलने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

कई लोग दूसरों की मदद करना चाहते हैं, लेकिन कभी-कभी यह आदत हमारी अपनी जरूरतों को नजरअंदाज करने पर मजबूर कर देती है। हर किसी की बात मानने की आदत से हमारा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इस आदत को बदल सकते हैं और अपने समय और ऊर्जा का सही उपयोग कर सकते हैं।

खुद पर ध्यान दें

सबसे पहले खुद पर ध्यान देना जरूरी होता है। अगर आप हमेशा दूसरों की मदद करते रहते हैं तो आपको खुद की देखभाल करने का समय नहीं मिलता। खुद के लिए समय निकालें, चाहे वह कुछ मिनट ही क्यों न हों। योग, ध्यान या कोई भी शौक अपनाएं, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। इससे आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे और दूसरों की मदद करने के लिए भी तैयार रहेंगे।

न कहना सीखें

कई बार हमें लगता है कि अगर हम न कहेंगे तो सामने वाले को बुरा लग जाएगा या हमारी छवि खराब हो जाएगी। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि हर बार हम हां ही कहें। अगर आपके पास समय नहीं है या आप किसी काम के लिए तैयार नहीं हैं तो बेझिझक न कहें। इससे आपका आत्म-सम्मान बढ़ेगा और आप अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। याद रखें, न कहना भी एक कला है।

प्राथमिकताएं तय करें

अपने कामों की प्राथमिकताएं तय करें, ताकि आप समझ सकें कि कौन-सा काम सबसे अहम है और किसे बाद में किया जा सकता है।

इससे आपका समय बचेगा और आप अनावश्यक दबाव से बच सकेंगे। प्राथमिकताएं तय करने से आप अपनी दिनचर्या को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर पाएंगे और मानसिक शांति भी मिलेगी। इससे आपका मन हमेशा तनाव से बचा रहेगा

समय सीमा तय करें

जब कोई नया काम आता है तो उसके लिए एक समय सीमा तय करनी काफी जरूरी होती है, ताकि आप जान सकें कि कब तक आपको वह काम करना है। इससे आप बिना किसी तनाव के अपने सभी काम पूरे कर सकेंगे और अतिरिक्त समय मिल सकेगा। समय सीमा तय करने से आपकी उत्पादकता भी बढ़ेगी और आप अनावश्यक दबाव से बच सकेंगे। सीमाएं तय करने के लिए न कहना भी काफी अहम है।

खुद को प्राथमिकता दें

आखिर में सबसे जरूरी बात है कि खुद को सबसे पहले रखें। अगर आप खुद ही ठीक नहीं रहेंगे तो दूसरों की मदद कैसे कर पाएंगे? इसलिए, अपनी सेहत, मानसिक शांति और खुशियों का ध्यान रखें। खुद के लिए समय निकालें, आराम करें और अपनी पसंदीदा गतिविधियों में समय बिताएं। इन सरल तरीकों से आप हर किसी की बात मानने की आदत को बदल सकते हैं और अपने जीवन में संतुलन बना सकते हैं।

शनाया कपूर दक्षिण सिनेमा में जमाएंगी पैर, फिल्म जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल से जुड़ने की चर्चा

शनाया कपूर के लिए बॉलीवुड का सफर कुछ खास साबित नहीं हुआ। उनकी डेब्यू फिल्म आंखों की गुस्ताखियां (2025) फ्लॉप निकल गई। आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल फिल्म तू या मैं भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री तीसरी फिल्म के लिए दक्षिण सिनेमा का रुख करने की तैयारी कर रही हैं। साल 2021 की जॉम्बी कॉमेडी फिल्म जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल से अभिनेत्री तेलुगु फिल्म जगत में डेब्यू कर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल में शनाया के साथ तेजा सज्जा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। तेजा को हनु-मान (2024) और मिराई (2025) जैसी फिल्मों ने जबरदस्त सफलता दिलाई है। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग का एक छोटा शेड्यूल भी पूरा कर लिया है। हालांकि परियोजना से जुड़ी आधिकारिक घोषणा अब तक नही की गई है। यह अलग बात है कि शनाया के फैंस उनके साउथ में डेब्यू को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

यह पहली दफा नहीं है, जब शनाया का नाम साउथ की किसी फिल्म से जुड़ रहा हो। इससे पहले, उन्हें मोहनलाल की फिल्म वृषभा में शामिल करने का ऐलान किया गया था। नंद किशोर के निर्देशन में बन रही इस परियोजना को एकता कपूर के प्रोडक्शन का समर्थन मिला था। शनाया इस पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग के शुरुआती चरण में शामिल भी हुई थीं, लेकिन फिर खबरें आईं कि तारीख संबंधी समस्याओं के कारण वह फिल्म से अलग हो गईं।

इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा देखने के बाद इमोशनल हुईं कृति खरबंदा

एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने इम्तियाज़ अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद इमोशनल नोट शेयर किया है. उन्होंने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भीतर तक छू लिया और उनके दिवंगत दादाजी और नानाजी की यादें ताज़ा कर दी हैं.

फिल्म से जुड़ी अपनी इमोशंस शेयर करते हुए कृति ने लिखा है कि इस फिल्म को उन्हें अपने दादू और नानू दोनों की याद आ गई. उन्होंने कहा कि वो उन्हें हर दिन याद करती हैं, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें रुककर उनके सभी त्यागों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया, जो पिछली पीढ़ियों ने किए थे. उन्होंने लिखा कि हम अक्सर जिस ज़मीन पर खड़े होते हैं, उसे अपना मान लेते हैं, बिना ये समझे कि शायद किसी ने वहां तक पहुंचने के लिए अपनी पूरी दुनिया पीछे छोड़ दी होगी.

विशेष रूप से डायरेक्टर इम्तियाज़ अली को संबोधित करते हुए कृति ने लिखा है, आपकी फिल्में अक्सर घर जैसी लगती हैं. इस बार घर नहीं मिला... इस बार घर की याद मिल गई. उनके इन शब्दों ने खूबसूरती से ये एहसास बयां किया कि फिल्म ने सिर्फ घर की कहानी नहीं दिखाई, बल्कि घर की गहरी याद और उससे जुड़ी इमोशंस को जगा दिया है.

कृति ने आगे लिखा कि मैं वापस आऊंगा देखने के बाद घर का अर्थ उनके लिए पूरी तरह बदल गया है. उन्होंने लिखा है, शायद घर सिर्फ वो जगह नहीं होती जहां हम रहते हैं. कभी-कभी घर वो भी होता है, जहां हम कभी वापस नहीं जा पाते. उनके अनुसार, घर केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसी इमोशन भी हो सकता है, जो हमेशा हमारी यादों में जीवित रहती है, भले ही वहां लौट पाना संभव न हो.

कृति ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इसका प्रभाव इसकी अवधि से कहीं अधिक बड़ा है. उन्होंने लिखा कि कुछ कहानियां पर्दा गिरने के साथ खत्म नहीं होतीं, बल्कि दर्शकों के साथ उनके घर तक जाती हैं और लंबे समय तक उनके दिलों में बस जाती हैं.

अपने इमोशंस मैसेज के अंत में कृति ने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद भी किया है कि उन्होंने एक आम इंसान को नायक के रूप में प्रेजेंट किया है. उन्होंने अपना आभार अपने दादू, नानू और उन जैसे अनगिनत लोगों को समर्पित करते हुए लिखा है, शुक्रिया मेरे दादू और नानू जैसे उन सभी आम आदमी को हीरो बनाने के लिए. इसी के साथ उन्होंने अपने इस मैसेज का समापन दिल वाले इमोजी के साथ किया है.

कृति खरबंदा का ये इमोशनली मैसेज सोशल मीडिया पर फैंस के दिलों को छू रहा है और ये दिखाता है कि मैं वापस आऊंगा ने दर्शकों पर कितना गहरा इमोशनल प्रभाव छोड़ा है.

रेलवे स्टेशन के गेट खुलवाने के लिए पांच विभागों की टीमें सर्वे करने उतरीं

कोटद्वार(आरएनएस)। रेलवे स्टेशन के बाहर से अतिक्रमण को हटाते हुए रेलवे स्टेशन के गेट खुलवाने के लिए एक बार फिर से पांच विभागों की टीमें पैमाइश करने सड़क पर उतरीं। रेलवे स्टेशन के नवस्थापित दोनों गेटों को खोलने और अतिक्रमण हटवाने के लिए रेलवे की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सोमवार सुबह रेलवे के खंड अभियंता (कार्य) नजीबाबाद एसएस रावत, गति शक्ति यूनिट प्रभारी सुबोध चौहान की मौजूदगी में रेलवे स्टेशन के बाहर हिस्से में पैमाइश की गई। रेलवे के दोनों नए गेट और उसके आसपास के 127 मीटर के दायरे में सड़क के किनारे खोखानुमा पक्की दुकानें बनी मिलीं।सर्वे टीम में राजस्व विभाग से राजस्व उपनिरीक्षक आशीष केमनी, नगर निगम से अवर अभियंता दिनेश चौहान के अलावा लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई खंड के अधिकारी शामिल थे। वहीं, पांच विभागों की टीमों के द्वारा ज्वाइंट सर्वे के दौरान कुछ दुकानदारों ने अपनी पीड़ा रखी। उनका तर्क था कि उन्हें वहां बसे दशकों बीत चुके हैं। छोटी-छोटी खोखानुमा दुकानों से पिछली तीन से चार पीढ़ियों परिवारों का भरण-पोषण करती आ रही हैं। उनके प्रतिष्ठानों को अतिक्रमण बताकर हटाना गलत है। कारोबारियों ने स्थानीय प्रशासन एवं सरकार से उनकी आजीविका को नजरअंदाज नहीं करने की अपील की।

विकासनगर में बनेगा बासमती का सीड बैंक

विकासनगर(आरएनएस)। दून की बासमती को पुनर्जीवित करने की पहल के तहत विकासनगर में बासमती का सीड बैंक बनेगा। इसके साथ ही टेस्टिंग की सुविधा भी मिलेगी। यह पहल जिला प्रशासन की ओर से की जा रही है। सीड बैंक बनने के बाद पछुवादून के किसानों को बेहतर गुणवत्ता और अच्छी उपज देने वाला दून बासमती का बीज आसानी से उपलब्ध कराया जा सकेगा।

पछुवादून में बड़े पैमाने पर बासमती का उत्पादन होता था, लेकिन बीते एक दशक से किसानों का मोह इससे भंग होने लगा है। इसका कारण स्थानीय स्तर पर बासमती का उचित और गुणवत्तापरक बीज उपलब्ध नहीं होना माना जा रहा है।किसानों को समय पर बीज नहीं मिलने से उत्पादन में साल दर साल गिरावट दर्ज की गई। अब जिला प्रशासन की पहल के बाद फिर पछुवादून के सहसपुर और विकासनगर ब्लॉक में किसान बासमती का उत्पादन करने लगे हैं। अब किसानों की सुविधा के लिए प्रशासन ने सीड बैंक खोलने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि विकासनगर में दून बासमती की प्रॉपर टेस्टिंग सुविधा विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। दून बासमती की विशिष्ट सुगंध, गुणवत्ता और स्थानीय पहचान को ब्रांड के रूप में विकसित कर किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ देहरादून की पारंपरिक कृषि विरासत को संरक्षित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

सू- दोकू क्र.004

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.03 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

पहली बार कांवड़ मेले में साइबर कमांडो तैनात!

हरिद्वार(आरएनएस)। कांवड़ मेला-2026 में पहली बार साइबर कमांडो तैनात किए जाएंगे, जो सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी रखेंगे। भ्रामक, फर्जी और एआई जनरेटेड वीडियो की पहचान कर उन पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वीडिया को तीन घंटे में ही डीलिट भी करवा दिया जाएगा, कांवड़ के बाद इसे कुंभ मेले में तैनात किया जाएगा।जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने प्रेस क्लब हरिद्वार में पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी देते हुए कहा कि कांवड़ मेले को सकुशल, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रेस क्लब में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि कांवड़ मेला शुरू हो चुका है और बड़ी संख्या में शिवभक्त हरिद्वार पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सेक्टरवार अधिकारियों की तैनाती की गई है। जहां भी व्यवस्थाओं में कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर कराया जाएगा। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस बार पहली बार साइबर कमांडो मेले के दौरान सक्रिय रहेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले भ्रामक, फर्जी अथवा समाज में भ्रम फैलाने वाले वीडियो पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सामान्य भ्रामक वीडियो पर 36 घंटे के भीतर कार्रवाई होगी, जबकि एआई जनरेटेड फर्जी वीडियो को लगभग तीन घंटे के भीतर हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार मानसून, राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्य और कुंभ-2027 की तैयारियों के बीच मेले का संचालन चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग को मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने और सभी दुकानों पर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन 15 अगस्त तक पूरी सतर्कता के साथ मेला व्यवस्था पर नजर रखेगा। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई से 11 अगस्त तक जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश रहेगा और विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने का अभियान भी लगातार जारी है और कुंभ मेले से पहले प्रमुख क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने जिलाधिकारी और एसएसपी को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा कि कांवड़ मेले के बदलते स्वरूप को देखते हुए पुलिस की रणनीति भी आधुनिक बनाई गई है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को कांवड़ यात्रा से अलग रखा जाएगा, जबकि श्रद्धालु मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेसवे मार्ग का उपयोग करेंगे। इसके लिए संबंधित राज्यों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीजे वाहनों को निर्धारित मानकों के भीतर ही संचालित करने की अनुमति होगी। नियमों का उल्लंघन करने या शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले वर्ष नियम तोड़ने वालों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अन्य जनपदों से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया है।

बिना सड़क गहरी किए बिछाई जा रही टाइलें, जलभराव का खतरा

विकासनगर(आरएनएस)। शिवपुरी कॉलोनी के वार्ड नंबर-14 स्थित खेड़ा मंदिर के समीप एमडीडीए की ओर से कराए जा रहे सड़क निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। आरोप है कि सड़क को पर्याप्त रूप से गहरा किए बिना ही टाइलें बिछाई जा रही हैं। इससे सड़क ऊंची हो जाने के कारण बारिश का पानी घरों में घुसने का खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में घटिया गुणवत्ता की टाइलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा सड़क के किनारे पानी की निकासी के लिए नालियों का भी कोई उचित इंतजाम नहीं किया गया है। ऐसे में बारिश होने पर पानी सड़क पर ही जमा होने की आशंका है। निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की जा रही है।

निराकोट गांव को जोड़ने वाला पैदल मार्ग भू-धंसाव से क्षतिग्रस्त

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद के निराकोट को जोड़ने वाले पैदल मार्ग पर जगह-जगह भू-धंसाव होने के कारण वह क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे ग्रामीणों को पहाड़ी पर जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। मार्ग पर हो रहे भू-धंसाव के कारण जसपुर गांव के भवनों पर भी खतरा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क कटिंग के बाद से जसपुर सहित सिल्याण गांव और निराकोट गांव के पैदल मार्ग पर हर बरसात में भू-धंसाव के साथ भूस्खलन जारी है। स्थानीय निवासी विकास नौटियाल, पूर्व प्रधान जितेंद्र गुसाईं, रजनीश भट्ट, सर्वेश भट्ट ने कहा कि जसपुर से निराकोट को जोड़ने वाला करीब दो किमी का पैदल मार्ग जगह-जगह से भू-धंसाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे निराकोट गांव के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि सड़क से न जुड़ने के कारण गांव को जोड़ने वाला यह ही एक मुख्य मार्ग है। इसलिए क्षतिग्रस्त मार्ग पर लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। दूसरी ओर इस मार्ग पर भू-धंसाव होने के कारण इसके आसपास जसपुर गांव की आवासीय बस्ती पर भी खतरा बढ़ गया है। बरसात में भू-धंसाव अधिक होने के कारण इसकी चपेट में आवासीय भवन आने से बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान मानकों के विपरीत की गई कटिंग के कारण पिछले कुछ वर्षों से जसपुर, सिल्याण गांव में भू-धंसाव का खतरा अधिक बढ़ गया है। सिल्याण और जसपुर में कई घरों में दरारें पड़ी हुई है। जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की ओर से मात्र सर्वे कर हर साल अपना पल्ला झाड़ दिया जाता है लेकिन आज तक सुरक्षात्मक कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं।

81वें दिन आरक्षण आंदोलन को मिला जनसमर्थन

रुद्रपुर(आरएनएस)। आरक्षण हमारा अधिकार जनआंदोलन के 81वें दिन ग्राम सभा शिवपुरी-जाफरपुर में बंगाली समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर आंदोलन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस दौरान आंदोलन के 100 दिन पूरे होने पर विशाल रैली निकालकर जिला मुख्यालय के घेराव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार बंगाली समाज की वर्षों पुरानी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को और व्यापक एवं निर्णायक रूप दिया जाएगा। समाज की प्रमुख मांगों में आरक्षण, शिक्षा व्यवस्था में बांग्ला भाषा को स्थान, बांग्ला भवन की स्थापना, विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति तथा हरिचंद-गुरुचंद ठाकुर कोष की राशि बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये किए जाने की मांग शामिल है। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता सुब्रत कुमार विश्वास के प्रति लोगों ने विश्वास व्यक्त करते हुए आंदोलन को अंतिम लक्ष्य तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

युवा नेता अभिमन्यु साना ने कहा कि बंगाली समाज अब अपने अधिकारों के प्रति पूरी तरह जागरूक हो चुका है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। आंदोलन के अध्यक्ष संजय बीर ने कहा कि वर्षों से समाज की मांगों की अनदेखी की जा रही है। यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर आमरण अनशन जैसे लोकतांत्रिक माध्यम भी अपनाए जाएंगे। युवा नेता जीवन मंडल ने कहा कि कई पीढ़ियां अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए बीत गईं। अब आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को देखते हुए समाज को एकजुट होकर निर्णायक संघर्ष करना होगा। उन्होंने युवाओं से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रत्येक गांव में जनजागरण अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को आंदोलन से जोड़ने और 100वें दिन प्रस्तावित जिला मुख्यालय घेराव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भजन रॉय, आकाश हलदर, विजय शिकारी, प्रेम बिस्वास, कृष्णा तापाली, विपन बिस्वास, सुमित हलदर, ध्रुव वैद्य, नवीन कुमार, सुभाष रॉय, सुखदेव राम, करन हलबा, मोहित कीर्तनिया, सदानंद, आबिंब और प्रेम सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

गुरु के आशीर्वाद से नशामुक्त, स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त देहरादून बनाने का लिया संकल्प

संवाददाता

देहरादून। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर देहरादून साइक्लिंग क्लब द्वारा एक विशेष संकल्प साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा सुबह 5 बजे बल्लूपुर से प्रारंभ होकर पंडितवाड़ी - प्रेमनगर - नंदा की चौकी - टोंसब्रिज स्कूल - पुलसानी - आमवाला - चौकी - धौलास तक आयोजित की गई। यात्रा का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण तथा नशामुक्त समाज के प्रति जागरूकता फैलाना था। क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का पर्व नहीं, बल्कि उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि आज सभी सदस्यों ने अपने गुरुजनों के नाम पर नशामुक्त, कूड़ा-मुक्त एवं प्रदूषण-मुक्त देहरादून बनाने की शपथ ली। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश और देश का युवा नशे के कारोबारियों एवं ड्रग सिंडिकेट के निशाने पर है। यह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। देहरादून साइक्लिंग क्लब पिछले 13 वर्षों से युवाओं को खेल, फिटनेस और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य कर रहा है और आगे भी इस अभियान को और अधिक मजबूती से चलाएगा। क्लब के यूथ विंग प्रभारी प्रणय पंत ने कहा, हरिसिमरन सिंह मेरे गुरु और शिक्षक हैं। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर मैं संकल्प लेता हूँ कि मैं जीवनभर नशे से दूर रहूँगा और अन्य युवाओं को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करूँगा। यही मेरे गुरु के प्रति मेरी सच्ची श्रद्धा होगी। इस साइकिल यात्रा में हरिसिमरन सिंह, रिक्की गोस्वामी, प्रणय पंत, जयंती प्रसाद, चिरतांग, हैरिस, प्रांजल, चैतन्य सहित क्लब के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मंदिर में भव्य सुंदरकांड एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। धर्मपुर विधानसभा के अंतर्गत कारगी चौक स्थित शिव खेड़ा मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीमती अदिति शर्मा (ट्रांसजेंडर समाज) एवं आचार्य कृष्णा जी के सान्निध्य में तीन दिवसीय सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा एवं विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महापौर सौरभ थपलियाल सरकार में राज्य मंत्री श्रीमती विनोद उनियाल तथा हरिद्वार से पधारे संत-महापुरुषों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने समाज एवं धर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में हेमा परिहार, मधुबाला डंगवाल, लता सेमवाल, सुनीता तमांग, लक्ष्मी राणा, लक्ष्मी पवार, दीपा जोशी सहित क्षेत्र की अनेक वरिष्ठ महिलाएं शामिल रहीं।

कागजों पर 'युद्धस्तर' और जमीन..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

विकसित करना ही वास्तविक तैयारी होगी।

आज बदलते जलवायु पैटर्न के कारण कम समय में अत्यधिक वर्षा की घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे पर्वतीय राज्यों में जोखिम और बढ़ जाता है। ऐसे में पारंपरिक योजनाओं से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीक, भू-वैज्ञानिक अध्ययन, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और वैज्ञानिक योजना पर आधारित रणनीति की आवश्यकता है। सिर्फ राहत पैकेज घोषित कर देना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यकता उस मॉडल की है जिसमें विकास, पर्यावरण और आपदा सुरक्षा एक-दूसरे के पूरक बनें। क्या मानसून पूर्व तैयारियों का स्वतंत्र मूल्यांकन होना चाहिए? क्या संवेदनशील मार्गों का वार्षिक सुरक्षा आडिट सार्वजनिक किया जाना चाहिए? क्या निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की व्यवस्था पर्याप्त है? क्या जिला स्तर पर स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन में अधिक भूमिका दी जानी चाहिए? क्या हर वर्ष दोहराई जाने वाली समस्याओं के लिए समयबद्ध स्थायी कार्ययोजना बनाई गई है? यह सवाल किसी एक सरकार या एक विभाग तक सीमित नहीं हैं। यह उत्तराखंड के भविष्य से जुड़े प्रश्न हैं।

इस समय प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा, राहत और आवश्यक सेवाओं की बहाली है। राहत दल लगातार काम कर रहे हैं और कई स्थानों पर कठिन परिस्थितियों में जान जोखिम में डालकर मार्ग खोलने और लोगों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका योगदान महत्वपूर्ण है। लेकिन जब बारिश थमेगी, मलबा हट जाएगा और सड़कें फिर खुल जाएंगी, तब असली परीक्षा शुरू होगी। क्या इस बार भी समीक्षा बैठकों के बाद फाइलें बंद हो जाएंगी? या फिर उन कारणों पर गंभीरता से काम होगा जो हर मानसून में उत्तराखंड को एक जैसी त्रासदी के सामने खड़ा कर देते हैं? क्योंकि पहाड़ की जनता अब केवल यह नहीं पूछ रही कि बारिश कितनी हुई। वह यह भी पूछ रही है कि तैयारी कितनी थी और शायद यही सवाल आने वाले समय में उत्तराखंड की राजनीति, प्रशासन और विकास माडल तीनों की सबसे बड़ी परीक्षा बनने वाला है।

आपदा राहत कार्यों में तेजी लाएं, अवरुद्ध मार्गों को प्राथमिकता से खोलें: आयुक्त

संवाददाता

देहरादून गढवाला आयुक्त आनंद स्वरूप ने निर्देश दिये हैं कि आपदा राहत कार्यो में तेजी लाएं व अवरूद्ध मार्गो को प्राथमिकता से खोलें।

आज यहां मानसून के दृष्टिगत गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंडल के सभी जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपदा प्रबंधन और राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में गति लाई जाए और वर्षा के कारण बाधित हुए मोटर मार्गों को युद्धस्तर पर प्राथमिकता के साथ बहाल किया जाए। आयुक्त ने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा से हुई सरकारी और निजी परिसंपत्तियों की क्षति का तत्काल आकलन किया जाए। जनहानि अथवा पशुहानि के मामलों में प्रभावित परिवारों को नियमानुसार अहैतुक सहायता राशि का वितरण समयबद्ध सीमा के भीतर सुनिश्चित हो। उन्होंने विभागीय मशीनरी को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रहने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान गाड़-गदेरों एवं नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। आवश्यकता पड़ने पर

ऐसे परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर उनके ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मैदानी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए नालियों एवं जल निकासी की व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। गढ़वाल आयुक्त ने स्पष्ट किया कि बरसात के दौरान कहीं भी दैवीय आपदा की घटना सामने आने पर राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदा राहत मद में सभी जनपदों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। इसके बावजूद यदि किसी जनपद को अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो तत्काल शासन को मांग उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनपदों में आपदा प्रभावितों को वितरित की गई अहैतुक सहायता राशि की भी समीक्षा की। आयुक्त ने आपदा न्यूनीकरण से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शासन स्तर पर लंबित किसी भी प्रस्ताव की अद्यतन स्थिति तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जा सके। चारधाम यात्रा की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर प्रतिकूल परिस्थितियों में यात्रा को एहतियातन कुछ समय के लिए रोकने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित पड़ावों पर ठहराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी डीएम को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपर आयुक्त उत्तम सिंह चौहान सहित जनपद देहरादून, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी, चमोली, रुद्रप्रयाग एवं उत्तरकाशी के जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

लाखों रुपये की स्मैक सहित एक दबोचा

देहरादून। राजधानी देहरादून में नशे का कारोबार कर रहे एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लगभग 2 लाख रूपये की स्मैक बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना प्रेमनगर पुलिस गश्त पर थी इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 6 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम अमन कुमार पुत्र नरेंद्र कुमार निवासी केहरी गांव थाना प्रेम नगर बताया। बताया कि वह मूल रूप से प्रेम नगर का रहने वाला है तथा पैसों की जरूरत के चलते उक्त स्मैक को एक युवक से खरीद कर लाया था, जिसका नाम पता वह नही जानता है। बरामद स्मैक को वह देहरादून में पढ़ने वाले छात्रो को छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर महंगे दामों पर बेचने के लिए आया था, पर उससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उसे पकड़ लिया गया।

चुनाव अभियान समिति के कार्यालय का उद्घाटन

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य प्रीतम सिह की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष आर्येन्द्र शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में चुनाव अभियान समिति कार्यालय कक्ष का विधिवत रूप से उद्घाटन किया।

इस अवसर पर प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के कुशासन से आम जनता आजिज आ चुकी है। भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला अत्याचार अपने चरम पर है। बार-बार हो रही पेपर लीक की घटनाओं ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है तथा युवाओं को अपना भविष्य अंध कारमय नजर आ रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव से लेकर आज तक झूठ बोलने के सिवा कुछ नहीं किया। भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों ने अपने अभी तक के कार्यकाल में महंगाई, भ्रष्टाचार तथा लोकतंत्र को तार-तार करने के सिवा कुछ नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि जनता देश और प्रदेश में बदलाव चाहती है तथा उत्तराखंड में निश्चित रूप में 2027 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी पुनः सत्ता में वापसी करेगी तथा उत्तराखंड का विकास एकबार फिर से पटरी पर लौटेगा।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार, महामंत्री राजेन्द्र शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, नवीन जोशी, गोदावरी थापली, जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, संजय किशोर, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, विनोद चौहान, अजय सिंह, अजय नेगी, राजीव पुंज, जाहिद अंसारी, ऐतात खान, रमेश कुमार मंगू, दीप बोहरा, हरिप्रसाद भट्ट, उपेन्द्र थापली, महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला, सुमेन्द्र बोरा, संदीप चमोली, प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, मंजू त्रिपाठी, गौरव चौधरी, देवेन्द्र बुटोला, नवनीत कुकरेती, विरेन्द्र पोखरियाल, कैलाश वाल्मीकि, फतेह सिंह, नीनू सहगल, लाखीराम बिजलवाण, मनीष नागपाल, शरीफ बेग, विनोद कुमार, राजीव कुमार, यशपाल चौहान, पिया थापा, अखिलेश उनियाल, अमरदेव गोनियाल, विरेन्द्र पंवार, चन्द्रकला नेगी, पुष्पा पंवार, प्रशांत खंडूरी, रितेश जोशी, विकास नेगी टिचकुले, मदन कोहली अनिल बसनेत, दिनेश कुमार आदि अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जनभागीदारी से चलाना होगा प्रभावी अभियानः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरूद्ध जनभागीदारी से प्रभावी अभियान चलाना होगा।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए जनभागीदारी, जन-जागरूकता तथा प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देकर उत्तराखंड को सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने के संकल्प को साकार करना होगा।

मुख्यमंत्री ने विश्व बाघ दिवस के अवसर पर जाखन स्थित एक होटल में आयोजित 'एकल उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रवर्तन' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने बाघ संरक्षण पर आधारित चित्र एवं पोस्टकार्ड का विमोचन किया।मुख्यमंत्री ने मानव-वन्यजीव संघर्ष में साहसिक कदम उठाने तथा वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान

देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व बाघ दिवस के अवसर पर इस विषय पर आयोजित कार्यशाला अत्यंत सार्थक है। यह आयोजन केवल एक कार्यशाला नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य सुनिश्चित करने का सामूहिक संकल्प है। उन्होंने कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध जैव विविधता और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। यदि हमारे जंगल सुरक्षित रहेंगे, तो बाघ सुरक्षित रहेंगे और प्रकृति का संतुलन भी सुरक्षित रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंगल-यूज प्लास्टिक पर्यावरण, नदियों, मिट्टी, जल स्रोतों और वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। वन क्षेत्रों में छोड़ा गया प्लास्टिक अनेक बार वन्यजीवों के भोजन में मिल जाता है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि जंगलों, नदियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी और निर्णायक अभियान चलाना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान, निरीक्षण एवं प्रवर्तन की कार्रवाई कर रही है। चारधाम यात्रा मार्गों तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही प्लास्टिक अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन एवं रीसाइक्लिंग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने लोगों से कपड़े के थैले, जूट तथा पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया। उद्योग जगत से इको-फ्रेंडली पैकेजिंग और आधुनिक रीसाइक्लिंग तकनीकों को अपनाने तथा युवाओं से विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम सभाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं सामाजिक संगठनों के माध्यम से इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

112 नशीले कैप्सूल सहित मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में चल रहे नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ व पुलिस ने एक मेडिकल संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 112 नशीले कैप्सूल बरामद किये गये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती देर रात एसटीएफ/एएनटीएफ, औषधि निरीक्षक एवं थाना सहसपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सहसपुर एवं विकासनगर क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का संयुक्त निरीक्षण अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान धर्मावाला चौक स्थित सांई मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर संचालक जोनी सैनी पुत्र शिवराम सैनी, उम्र 37 वर्ष, निवासी धर्मावाला, थाना सहसपुर, जनपद देहरादून द्वारा औषधि विक्रय लाइसेंस प्रस्तुत किया गया, जो प्रथम दृष्टया वैध पाया गया। औचक निरीक्षण के दौरान दुकान के गल्ले के नीचे रखे एक प्लास्टिक कंटेनर से 14 पत्ते (कुल 112 कैप्सूल) बरामद किए गए।

मेडिकल स्टोर संचालक से ट्रामाडोल युक्त कैप्सूलों के क्रय-विक्रय संबंधी अभिलेख मांगे जाने पर वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह नशा करने वाले व्यक्तियों को फुटकर में बेचकर अवैध लाभ कमाता था। बिना किसी वैध अभिलेख के ट्रामाडोल युक्त नशीले कैप्सूलों का अवैध भंडारण एवं विक्रय किए जाने के कारण आरोपी जोनी सैनी को सांई मेडिकल स्टोर, धर्मावाला चौक से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना सहसपुर में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चारी की मोटरसाईकिल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जमनपुर निवासी फिरोज ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल ईडी कम्पनी की पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह मोटरसाईकिल वापस मोडकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसको पकड लिया। पूछताछ में उसने बताया कि उसने यह मोटरसाईकिल सेलाकुई से चोरी की थी। पूछताछ में उसने अपना नाम साहिल अंसारी पुत्र सलाउददीन अंसारी निवासी जमनपुर पीठ वाली गली सेलाकुई बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्रेमनगर पुल मामले में जांच की मांग

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने प्रेमनगर मार्ग पर 10 माह पहले पुनर्निर्मित पुल के दोबारा ध्वस्त होने की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और रिकवरी की मांग की है। संगठन ने इस संबंध में पीडब्ल्यूडी सचिव पंकज पांडे को पत्र भेजा है।

संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने आरोप लगाया कि पुल निर्माण में गंभीर तकनीकी खामियां बरती गईं। उन्होंने कहा कि पुल के दोनों ओर अनिवार्य एप्रोच स्लैब नहीं बनाए गए और नदी में कटाव रोकने के लिए आवश्यक आरसीसी कट-ऑफ वॉल का भी निर्माण नहीं किया गया।

पत्र में एप्रोच रोड की भराई आरबीएम के बजाय मिट्टी से किए जाने और उसकी उचित लेयर-वाइज कंपैक्शन नहीं होने का भी आरोप लगाया गया है। संगठन का कहना है कि इसी कारण जलभराव से विंग वॉल और एबटमेंट क्षतिग्रस्त हुए। साथ ही नदी की धारा नियंत्रित करने के लिए स्पर का निर्माण नहीं किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

संगठन ने प्रेमनगर पुल से संबंधित डीपीआर, एस्टीमेट, टेंडर, कार्यादेश, गुणवत्ता जांच रिपोर्ट और भुगतान विवरण सार्वजनिक करने की भी मांग की है।

'एक अधिकारी, एक सरकारी कार' नियम होगा सख्ती से लागू!

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग और परिवहन खर्च में कटौती के उद्देश्य से एक अधिकारी, एक सरकारी कार नियम को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने इस संबंध में सभी केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और संबंधित संस्थानों को निर्देश जारी करते हुए अधिकारियों को एक से अधिक सरकारी वाहन आवंटित करने पर रोक लगा दी है।

❑वित्त मंत्रालय का सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों को निर्देश, नियम उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

जारी सर्कुलर के अनुसार, यदि किसी अधिकारी के पास पहले से सरकारी स्टाफ कार उपलब्ध है तो उसे किसी अन्य मंत्रालय, विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) या स्वायत्त निकाय का अतिरिक्त प्रभार मिलने पर भी दूसरी सरकारी गाड़ी नहीं दी जाएगी। ऐसे अधिकारी अपने मूल विभाग द्वारा आवंटित वाहन का ही उपयोग करेंगे।

व्यय विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन अधिकारियों ने अन्य विभागों या मंत्रालयों की सरकारी गाड़ियां ले रखी हैं, उन्हें तत्काल वापस करना होगा। हालांकि, यदि किसी अधिकारी को दूसरे विभाग के अधिकृत सरकारी कार्य के लिए यात्रा करनी हो, तो संबंधित विभाग

की गाड़ी का उपयोग केवल उसी आधिकारिक दौरे के दौरान किया जा सकेगा।

सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी वाहनों के अनधिकृत उपयोग पर रोक लगाना, वाहनों के दोहरे आवंटन को समाप्त करना तथा परिवहन पर होने वाले अनावश्यक खर्च में कमी लाना है। इससे सरकारी संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा और प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन को भी बढ़ावा मिलेगा।

गौरतलब है कि स्टाफ कारों के उपयोग संबंधी दिशा-निर्देश सितंबर 2022 में जारी किए गए थे। अब सरकार ने उन्हें और अधिक सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है। मंत्रालयों और विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। आदेश की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।